जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 140 प्रभात हिण्डौन सिटी, सोमवार 23 मार्च, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

मांडवा थानाधिकारी आठ लाख रूपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 22 मार्च। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की इंटेलिजेंस यूनिट उदयपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना मांडवा के थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री और कांस्टेबल भल्लाराम पटेल को 8 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, मांडवा थाने के थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री और कांस्टेबल भालाराम ने एनडीपीएस एक्ट केस में चार लोगों को आरोपी नहीं बनाने की एवज में रिश्वत मांगी थी।

- **थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री व कांस्टेबल भल्लाराम ने एनडीपीएस एक्ट केस में चार लोगों को आरोपी नहीं बनाने के लिए रिश्वत मांगी थी।**

एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि गोपनीय शिकायत में आरोप था कि परिवादियों को एक प्रकरण में आरोपी नहीं बनाने की एवज में 20 लाख रुपए की रिश्वत मांगी जा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने तेल, गैस, फर्टिलाइज़र की सप्लाई पर आपात बैठक बुलाई

मिडिल ईस्ट युद्ध संकट के बीच देश में ईंधन व बिजली की निर्बाध-आपूर्ति पर गहन चिंतन हुआ

- **प्रधानमंत्री आवास पर हुई साढ़े तीन घंटे की उच्चस्तरीय बैठक में 13 कैबिनेट मंत्री, एनएसए अजित डोभाल तथा प्रधानमंत्री के दो प्रिंसिपल सैक्रेटरी शामिल हुए।**

नई दिल्ली, 22 मार्च। मिडिल ईस्ट में गहराते युद्ध के संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बड़ी इमरजेंसी बैठक बुलाई। पीएम आवास पर करीब साढ़े तीन घंटे चली इस हाई-लैवल मीटिंग में सीनियर कैबिनेट मंत्रियों के साथ कच्चे तेल, गैस और फर्टिलाइजर की सप्लाई चेन की समीक्षा की गई। सरकार का मुख्य फोकस युद्ध के बीच देश में ईंधन और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस उच्च स्तरीय बैठक में गृह मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री सहित कई वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

पीएम हाउस पर हुई इस मीटिंग में 13 कैबिनेट मंत्री भी मौजूद थे। इसमें गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी, प्रह्लाद जोशी, अश्विनी वैष्णव, के राम मोहन नायडू, जे पी नड्डा, सर्वानंद सोनोवाल, मनोहर लाल खट्टर और शिवराज सिंह चौहान शामिल थे। इसके अलावा बैठक में एनएसए अजीत डोभाल और पीएम के दोनों प्रिंसिपल सेक्रेटरी भी मौजूद थे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दुनिया के कई नेताओं से बात की है। संघर्ष शुरू होने के बाद से मोदी ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर बातचीत की है।

ईरान ने रविवार को इज़रायल पर 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

तेहरान, 22 मार्च। ईरान ने रविवार सुबह इज़रायल पर चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इन हमलों में 300 से अधिक लोग घायल हुए हैं इज़रायली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के मुताबिक, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

इससे पहले शनिवार रात ईरान ने इज़रायल के डिमोना और अराद शहरों पर भी हमला किया था। डिमोना में इज़रायल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट स्थित है।

ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा था, अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज़ स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी।

- **इज़रायल के विदेश मंत्रालय ने इस हमले में 300 से अधिक लोगों के घायल होने की पुष्टि की**

वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान से शांति वार्ता के लिए अमेरिका मध्यस्थ की तलाश में

प.एशिया में हमले तेज हो रहे हैं, पर वार्ता के लिए रास्ते व माध्यम पर भी विचार चल रहा है

- **अमेरिका ने पहले मध्यस्थता के लिए ओमान का नाम आगे बढ़ाया था, पर अब वह कतर को आगे लाना चाहता है। कतर पर्दे के पीछे तो मदद करने को तैयार है, पर, फिलहाल सामने आकर भूमिका निभाने से हिचक रहा है।**
- **चर्चा है कि राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जैरेड कुशनर और सलाहकार स्टीव विटकॉफ संभावित बातचीत की रणनीति तैयार कर रहे हैं। अभी तक अमेरिका व ईरान में मिस्र, कतर, व ब्रिटेन के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हुआ ह**

तेहरान, 22 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 23 दिनों से जारी जंग के बीच अब एक बड़ा मोड़ आता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जहां एक तरफ सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी टीम ने ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता की तैयारी भी शुरू कर दी है। ट्रंप ने शुक्रवार को खुद संकेत दिया था कि वह जंग को 'धीरे-धीरे खत्म' करने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि अभी 2 से 3 हफ्ते और लड़ाई जारी रह सकती है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक इसी बीच वॉशिंगटन अब डिप्लोमेसी का रास्ता भी तैयार कर रहा है।

ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर और सलाहकार स्टीव विटकॉफ इस संभावित बातचीत की रणनीति तैयार कर रहे हैं। हालांकि अभी अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत नहीं हुई है, लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसने बेहद कड़ी शर्तें रखी हैं।हालांकि, ईरान ने बातचीत के लिए शर्त रखी है कि पहले जंग रोकी जाए और उसे हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए। ईरान का यह भी कहना है कि भविष्य में उस पर फिर से हमला नहीं होगा, इसकी पक्की गारंटी मिले।

दूसरी तरफ, ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि वे अभी ईरान की सभी शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं हैं, खासकर मुआवजे की मांग को। अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत फिलहाल नहीं हो रही है। लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन जैसे देश मध्यस्थ का रोल निभा रहे हैं।

अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना मिसाइल प्रोग्राम कुछ समय के लिए बंद करे, यूरेनियम एनरिचमेंट रोक दे और अपने परमाणु ठिकानों को भी बंद करे। इसके अलावा, ईरान हिजबुल्लाह और हमास को पैसे देना भी बंद करे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान में लश्कर के कमांडर बिलाल की परिजनों ने हत्या की

शनिवार को ईद की नमाज़ के बाद परिवार के सदस्यों ने बिलाल को चाकू और गोली से मारा

- **हत्या के पीछे मुख्य कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। बिलाल 2005 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। युवाओं की भर्ती, वैचारिक प्रशिक्षण, धन जुटाने व हथियारों की खरीद में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।**

इस्लामाबाद, 22 मार्च। पाकिस्तान से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सराफी की उसके ही परिवार के सदस्यों ने हत्या कर दी।

यह घटना शनिवार को ईद की नमाज के बाद लाहौर के पास मुरीदके में हुई। रिपोर्टों के अनुसार, बिलाल पर पहले चाकू से हमला किया गया और फिर उसे गोली मार दी गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हत्या के पीछे का मुख्य कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। वारदात मुरीदके में लश्कर के ध्वस्त मुख्यालय के पास हुई, जिस पर भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमला किया था।

पुलिस ने इस मामले में संलिप्त परिवार के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इंटरनेट मीडिया पर कुछ वीडियो भी बहु-प्रसारित हुए हैं जिनमें बिलाल का शव जमीन पर पड़ा दिखाई दे रहा है, हालांकि उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बिलाल आरिफ सराफी साल 2005 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था।वह मुरीदके केंद्र में युवाओं की भर्ती करने और उन्हें वैचारिक प्रशिक्षण (ब्रेनवाश करने) देने का मुख्य जिम्मा संभालता था।

इसके अलावा, वह संगठन के लिए धन जुटाने और हथियारों की खरीद-फरोख्त में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। बिलाल अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ तैयबा कालोनी में रहता था। विशेष रूप से, वह भारत में किसी मामले में वांछित नहीं था।

केसी त्यागी राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हुए

नई दिल्ली, 22 मार्च। जनता दल (यूनाइटेड) से हाल ही में त्यागपत्र देने वाले वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में शामिल हो गए। केन्द्रीय मंत्री व रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया। केसी त्यागी ने साल 2003 में समता पार्टी से होते हुए जद (यू) में कई

- **जद (यू) के मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार रहे त्यागी को जयंत चौधरी ने औपचारिक रूप से पार्टी का सदस्य बनाया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2021 की धांधली में कोर्ट के फैसले का बेसब्री से इंतजार

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय का आर.पी.एस.सी. का एक और बड़ा घपला कोर्ट के समक्ष उजागर हुआ

- **हाईकोर्ट की एकलपीठ ने इस भर्ती को लेकर आर.पी.एस.सी. से तलब किए गए रिकॉर्ड का आंकलन किया तो पाया कि, एक्सपर्ट पैनल में विशेषज्ञ डॉक्टर इंटरव्यू में केवल मौजूद थे, लेकिन अभ्यर्थियों को अंक देने में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। पैनल ने किस अभ्यर्थी को कितने अंक देने की सिफारिश की, इसका भी कहीं उल्लेख नहीं था।**
- **इस मामले की आर.पी.एस.सी. और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा की गई अपील की पहली सुनवाई आज है।**
- **हैरानी की बात है कि वर्ष 2022 में राज्य कैबिनेट ने भर्ती परीक्षाओं के इंटरव्यू में अधिकतम 10 प्रतिशत अंक देने का निर्णय लिया था, परंतु आर.पी.एस.सी. सदस्य मनमाने ढंग से अभ्यर्थियों को अंक बांटते रहे।**

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 22 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट में सहायक प्रोफेसर (स्किन एवं वीडी) की नियुक्ति के मामले पर सोमवार को सुनवाई होनी है। इस मामले में आर.पी.एस.सी. तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा अपील दायर की गई है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ के समक्ष इस प्रकरण की पहली सुनवाई होगी।

यह मामला रोचक इसलिए है, क्योंकि हाईकोर्ट में जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने आर.पी.एस.सी. की भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधली का विस्तृत ब्यौरा उजागर किया है। इन भारी अनियमितताओं का निष्कर्ष अदालत ने आर.पी.एस.सी. द्वारा प्रस्तुत किए गए परीक्षा रिकॉर्ड के अध्ययन के बाद निकाला है।

इस मामले में डॉ. रचिता माथुर द्वारा वर्ष 2024 में हाईकोर्ट के समक्ष याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने कहा कि आर.पी.एस.सी. ने नवंबर-2021 में सहायक प्रोफेसर के 337 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। इनमें कुछ पद सुपर स्पेशलिटी की डॉक्टरी से संबंधित थे, जबकि कुछ पद "ब्रॉड स्पेशलिटी" के थे। आर.पी.एस.सी. ने अपनी भर्ती विज्ञप्ति में अंकित किया था कि "अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। यदि विज्ञापन के आधार पर प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या अधिक होगी तो आयोग द्वारा संवीक्षा (स्क्रीनिंग) परीक्षा आयोजित करके अभ्यर्थियों की संख्या यथोचित सीमा तक कम कर सकती है।"

इस मामले में विवाद तब खड़ा हुआ, जब कुछ अभ्यर्थी वर्ष 2022 में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने 8931 दिन सरकार का मुखिया रहने का कीर्तिमान बनाया

नई दिल्ली, 22 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लगातार 8,931 दिनों तक सरकार के मुखिया के रूप में सेवा का नया कीर्तिमान रच दिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के इसी तरह के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

- **रविवार को उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 8931 दिन पूरे किए।**

पवन कुमार चामलिंग ने 8,930 दिनों तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को मिलाकर 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जो लंबे समय तक निरंतर सार्वजनिक सेवा की भावना और नेतृत्व को दर्शाती है।

अमित शाह, राजनाथ सिंह और रेखा गुप्ता सहित भाजपा के दिग्गज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जब से युद्ध शुरु हुआ है, ट्रंप सात बार यह घोषणा कर चुके हैं कि अमेरिका युद्ध जीत गया है

लगातार डींग मारने की प्रवृत्ति के कारण ट्रंप की विश्वसनीयता काफी संदिग्ध मानी जाती है, ईरान युद्ध के बारे में

- **पर, फिर इस बार कुछ सच्चाई नज़र आ रही है, ट्रंप के इस कथन में कि अब अमेरिका-ईरान युद्ध की तीव्रता कम करना चाहता है।**
- **नवीनतम रायशुमारी में, ट्रंप की लगातार गिरावट तथा अमेरिका में पेट्रोल पम्प पर, पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें बढ़ने तथा उसके परम्परागत मित्र देशों द्वारा ट्रंप के ईरान युद्ध को समर्थन नहीं देने से, ट्रंप अभी काफी कुण्ठित हैं। अतः ट्रंप के इस संकेत में, कि अमेरिका, ईरान युद्ध की "तीव्रता" कम करना चाहता है, कुछ सच्चाई नज़र आ रही है।**
- **ट्रंप ने यह कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को आवागमन के लिए सुरक्षित रखना मूलतः उन देशों की जिम्मेवारी है, जो इसका उपयोग करते हैं। यह भी संकेत है कि अमेरिका अब ईरान युद्ध से छुटकारा चाहता है।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। ईरान ने हाल ही में बड़े स्तर पर हमले किए और इन हमलों की पहुंच व आर्थिक प्रभाव के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मजबूरन यह संकेत दे रहे हैं कि वॉशिंगटन युद्ध को "कम" कर सकता है। ज्ञातव्य है कि हाल ही में ईरान ने एफ-35 लड़ाकू विमानों व ब्रिटेन-अमेरिकी सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर हमला किया है।

तेल की बढ़ती कीमतें और हालिया जनमत सर्वेक्षणों में गिरती लोकप्रियता ने ट्रंप को परेशान कर दिया है। उनकी निराशा इस बात से भी बढ़ी है कि अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी ईरान के खिलाफ ट्रंप के युद्ध का समर्थन नहीं कर रहे हैं।

पिछले 21 दिनों में युद्ध की लागत लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो ट्रंप प्रशासन की चिंता का एक और कारण है। वाइट हाउस ने ईरान युद्ध के लिए अतिरिक्त 200 अरब डॉलर की मांग की है।

यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के विशेषज्ञों का मानना है कि वॉशिंगटन वास्तव में इज़रायल का युद्ध लड़ रहा है, जिससे ट्रंप की हताशा और बढ़ गई है।

खबर आई है कि ईरान ने दुनिया के सबसे उन्नत स्टील्थ फाइटर विमानों में से एक अमेरिकी एफ-35 विमान को निशाना बनाया और क्षतिग्रस्त किया है और हाल ही में शनिवार को आई रिपोर्टों में कहा गया कि ईरान ने 4,000 किलोमीटर दूर हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया को निशाना बनाया, जिससे कई लोग स्तब्ध हो गए।

ईरान द्वारा डिएगो गार्सिया की ओर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने की खबर इस संघर्ष के और विस्तार व व्यापकता का संकेत देती है, जिससे दूरी, रणनीतिक संकेत और भूगोल का महत्व बढ़ गया है।

शनिवार सुबह अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रूथ सोशल" पर ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन मध्य पूर्व में सैन्य अभियानों को कम करने पर विचार कर रहा है।

ट्रंप ने लिखा, "हम अपने उद्देश्यों को हासिल करने के बहुत करीब हैं और मध्य पूर्व में ईरान के संबंध में अपने महान सैन्य प्रयासों को कम करने पर विचार कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि "होर्मुज़ स्ट्रेट की सुरक्षा अन्य देशों को करनी होगी, जो इसका उपयोग करते हैं, अमेरिका को नहीं। जरूरत पड़ने पर अमेरिका सहायता करेगा, लेकिन ईरान का खतरा खत्म होने के बाद इसकी आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।" यह बयान उस समय आया है, जब ट्रंप सरकार क्षेत्र में सैन्य ताकत बढ़ा रही है और युद्ध के लिए कांग्रेस से अतिरिक्त 200 अरब डॉलर की मांग कर रही है। यह विरोधाभासी संदेश असामान्य नहीं है। "ऑपरेशन एपिक फ्यूरी" शुरू होने के बाद के तीन हफ्तों में ट्रंप कम से कम सात बार दावा कर चुके हैं कि अमेरिका युद्ध जीत चुका है।

इस बीच, अमेरिका ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को 30 दिन के लिए अस्थायी रूप से हटा दिया है। ईरान का 140 मिलियन बैरल तेल समुद्री टैंकरों में है। यह कदम ईरान की कमजोर आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकता है और तेहरान को युद्ध लंबा खींचने का आत्मविश्वास दे सकता है।

अमेरिकी प्रतिबंध हटाने के बाद, भारतीय रिफाइनरीज़ व अन्य एशियाई देश ईरान से तेल खरीदने पर विचार कर रहे हैं। भारत की तीन कम्पनियों के सूत्रों ने कहा, वे इस संबंध में सरकार के निर्देशों का इंतज़ार कर रहे हैं।

पोप ने ईरान युद्ध को मानवता के लिए शर्मनाक बताया

वेटिकन सिटी, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर पोप लियो ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ईरान से जुड़े युद्ध को पूरी मानवता के लिए गलत और शर्मनाक करार देते हुए तुरंत हिंसा रोकने की अपील की।

- **14-पोप लियो ने कहा कि युद्ध को खत्म कर बातचीत और कूटनीति के जरिए समाधान निकालना चाहिए।**

पोप लियो ने कहा कि इस संघर्ष में बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है और कई लोग घायल हो रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता जताई कि सबसे ज्यादा नुकसान निर्दोष नागरिकों को उठाना पड़ रहा है, जो बेहद दुखद और चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि इतने लोगों की पीड़ा को देखकर दुनिया चुप नहीं रह सकती। उन्होंने कहा कि जो दर्द वहां के लोग झेल रहे हैं, उसे पूरी इंसानियत को महसूस करना चाहिए।

पोप ने यह भी स्पष्ट किया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)